सेवा में,

पोलिस अधीक्षक

[redacted]

[redacted]

विषयः कालीचरण महाराज और ईश्वरानंद महाराज उर्फ ईश्वर गोजे के संबंध में

महोदय

मैं [redacted] महाराष्ट्र की निवासिनी हूँ। मुझे मिडिया इलेक्ट्रानिक चॅनल्स के माध्यम से यह बातमी पता चली है कि कालीचरण धनंजय सराग जिन्हें सभी कालीचरण महाराज कहते हैं, उनको रायपुर पोलिस ने महात्मा गांधी बापू पर अपमानजनक टिप्पण करने के लिये ताबे में लिया है और जेल में डाला है। कालीचरण महाराज कोई संत नहीं बल्कि संत के गैरिक वस्त्र पहने हुए ढोंगी है, जो कहने मात्र को काली माता के सेवक हैं परंतु वास्तव में वे एक भोगी विलासी व्यक्ति हैं जिनका एकमात्र धर्म केवल दुखीयारे लोगों की मदद करने के नाम पर उनसे धन प्राप्त करना और उनका दोहन करना है।

मेरे वैवाहिक जीवन में बहुत परेशानी चलने के कारण उसके समाधान के लिये मैं बहुत भटक रही थी मुझे जून 2021 में कहीं से पता चला था कि अकोला में कालीचरण महाराज की बहुत प्रचीती है और वे लोगों की समस्याओं में मदत करते हैं। मैं कालीचरण महाराज के शिष्य ईश्वरानंद महाराज के माध्यम से उनके संपर्क में आयी। मुझे कालीचरण महाराज से टेलिफोन पर बात करने का अवसर मिला, मैंने उनको अपनी सारी समस्याओं के बारे में बताया जिस पर कालीचरण महाराज ने मुझे आश्वस्ती दी की वे मुझे सारी समस्याओं का उपाय बतायेंगे। उन्होंने कहा की मुझे क्या क्या करना होगा, और इसके बारे में ईश्वरानंद महाराज से संपर्क में रहना होगा।

मैंने ईश्वरानंद महाराज के कहने पर पहले 5000 रूपये उनके बताये नंबर पर पेटीऐम किया, उसके बाद कालीचरण महाराज का एक ऑडियो मैसेज उपाय बताते हुए आया। मैंने उन उपायों पर काम किया जिसके बाद मेरी कालीचरण महाराज से लगातार वाट्सऐप पर बात होती रही, दो महीने तक उनसे लगातार संपर्क में रहने के दौरान मैं उनसे बहुत जुड गई और उनके प्रति मेरी श्रद्धा भी बढ़ गई थी। मुझे दो बार उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलने का भी अवसर मिला था। मैने कालीचरण महाराज को कुल 25000 रूपये पेटीऐम किये थे।

इसके बाद कालीचरण महाराज के भक्तों से मेरा जुड़ना हुआ, बहुत से लोगों से मेरी महाराज के बारे में बात हुई। चूंकि मैं कालीचरण महाराज को पसंद करती थी और आदर करती थी इसलिये मैं उनके बारे में अधिक से अधिक बात जानने की कोशिश करती थी इसके लिये मैं उनसे जुड़े बहुत से भक्तों के संपर्क में आयी। जैसे जैसे मेरी लोगों से बातें हुई मुझे यह पता चला कि कालीचरण महाराज की सच्चाई असल में क्या है। कालीचरण महाराज कोई संत नहीं हैं, वे एक अच्छे शास्त्रीय गायक हैं और शिवतांडवस्तोत्र का गायन बहुत अच्छा करते हैं, उनके वीडियो भी मैंने बहुत लोगों को शेयर किये थे। कालीचरण महाराज के बारे में धीरे धीरे मेरी जानकारी बढ़ती गई।

Scanned by CamScanner

मुझे जब लोगों से यह पता चला कि कालीचरण महाराज किसी से भी बिना पैसे लिये बात नहीं करते, किसी को भी उपाय तब ही बताते हैं जब वह पेटीऐम से पैसे भेज देता है, किसी की भी समस्याओं का समाधान तब करवाते हैं जब वो उनकी कही हुई पूरी रक्कम पेशगी भेज देता है। आप चाहें तो उनके खाते की जांच करके इस बात की पुष्टी भी कर सकते हैं की उनको अलग अलग लोगों अलग अलग स्थानों से पैशे आते हैं। मुझे जब पता चला की कालीचरण महाराज भी केवल नाम और पैशे के पीछे भागते हैं तो मुझे थोड़ा खराब लगा परतुं मैंने यह विचार किया कि कदाचित महाराज को अपना खर्चा चलाने के लिये लोगों से पैसे लेना पड़ता है, परंतु एक संत का खर्चा बहुत कम होता है लेकिन कालीचरण महाराज पूरे ऐश आराम में जीते हैं जिससे मुझे थोडा आश्चर्य हुआ।

मुझे यह भी पता चला कि वे प्रति दिवस कम से कम 4-5 घंटे व्यायाम आदी करते हैं, तो मैंने सहज सोचा कि वे फिर साधना कब करते होंगे? मेरे मन में अनेक प्रश्न थे कि कालीचरण महाराज सचमुच में संत हैं भी या नहीं?

मुझे सबसे बड़ा धक्का तब लगा जब मुझे यह मालूम हुआ कि कालीचरण महाराज का संबंध [redacted] बहन जो दिल्ली की है, के साथ है जो स्वयं को उनकी बहुत बड़ी भक्त बताती है और उनके पक्ष में [redacted] है। मुझे जब ये पता चला कि [redacted] बहन से कालीचरण महाराज का संबंध है तो मुझे बहुत धक्का लगा और मैं इन्हें भगवान मानती थी। मुझे लगता था कि वे असली संत हैं जो सांसारिक मोह माया से दूर हैं लेकिन वे भी संत नहीं सांसारिक जीव ही निकले।

मैंने जब कालीचरण महाराज से भेंट की और उनको इन सुनी हुई बातों के विषय में बताया तो उन्होंने मुझे बताया की बिना धन के इस संसार में जीना संभव नहीं है। साथ ही उन्होंने यह भी स्वीकार किया की [redacted] भी मेरी ही तरह कालीचरण महाराज की भक्त है। उन्होने मुझे अपने वाट्सऐप चैटिंग को दिखाया की लोग उनकी कितना सम्मान करते हैं। उन्होंने मुझे कहा की वो साधना पथ में काफी आगे बढ चुकी है, और यदि मैं उसके समान समर्पित रहूँ तो मैं भी आगे बढ़ सकती हूँ।

कालीचरण महाराज ने गलती से मुझे जो चैट ओपन करके दिखाया था उसमें मुझे एक जगह आय लव यू लिखा हुआ दिखा जिससे मुझे थोड़ा धक्का लगा था। इसी बीच जब कालीचरण महाराज लघवी (टायलेट) के लिये गये तो मैंने उनका वाट्सऐप जो खुला हुआ था उसे देखा जिसमें मुझे [redacted] के साथ उनकी चैटिंग दिखी जो बहुत ही आपत्तिजनक थी। मैंने तुरंत अपने फोन से कालीचरण महाराज और [redacted] के चेटिंग का फोटो ले लिया ताकि मैं उनकी अंध श्रद्धा में डूबे भक्तों को दिखाकर उनकी सच्चाई सामने ला सकूं।

लघवी से वापस आकर कालीचरण महाराज ने मुझे बताया की लोग उनका आशीर्वाद लेने के लिये तरसते हैं। उन्होंने अपने मोबाइल फोन में एक फोटो दिखाई थी जिसमें ईश्वरानंद महाराज और एक कम वय की तरूण लड़की साथ में आसपास थे। कालीचरण महाराज बोले की बड़े बड़े लोग डॉक्टर इंजीनियर, मैनेजर जैसे पदों की महीलायें उनका सानिध्य प्राप्त करने के लिये शिष्य ईश्वरानंद से जुड़कर रहती है, मुझ पर तो स्वयं कालीचरण महाराज कृपा कर रहे हैं।

मैंने वहाँ से बाहर निकलकर एक दो लोगों से कालीचरण महाराज के संबंध में बातें की तो उन्होने मुझे सल्ला दी की इस सब विवाद में मत पड़ो। मुझे मेरे घरवालों ने भी समझाया की ये सब लफड़े में नहीं पड़ने का है इसीलिये मैं अपनी सुरक्षा की चिंता में चुप रह गई।

Scanned by CamScanner

मुझे बाद में पता चला की कालीचरण महाराज के शिष्य ईश्वरानंद ईश्वर गोजे जो स्वयं को उनका पी.ए. भी बताते हैं और कालीचरण महाराज हर बात के लिये उनको ही बात करने के लिये बोलते हैं, वे भी महिलाओं को उपाय बताने के नाम पर उनसे निकटता बढ़ाते है और स्वयं को बहुत ही श्रीमंत बताकर महिलाओं को प्रभावित करते हैं जिनको संसार करना है उनको सन्यास का ढोंग करके जनता को नहीं ठगना चाहिये।

यह पत्र लिखने का मेरा हेतुक उनके व्यक्तीगत जीवन के बारे में आपत्ती करना नहीं है, पर लोग जो कालीचरण महाराज को बहुत महान संत और देशभक्त बता रहे हैं उस पर मुझे आपत्ती है, इसीलिये मैंने यह सत्य सबके सामने लाने के लिये यह पत्र आपको लिखा है। मैं एक घर गृहस्थी वाली महिला हूँ इसलिये मैं अपना पूरा पत्ता नहीं दे सकती और न मैं मिडिया के सामने आ सकती हूँ।

उनके ऊपर हमारे पुणे और वर्धा में भी पोलिस केस हुआ है। और आप लोगों ने उनको ताबे में लेकर जेल में डाल दिया है यह बिल्कुल सही हुआ है। ऐसे ढोंगी संतों को कोई अधिकार नहीं पड़ता कि वह महात्मा गांधी जैसे सच्चे संत के लिये शिव्या गाली निकाले। मेरे पास कालीचरण महाराज के बारे में जो भी साक्ष्य हैं मैं इस पत्र के साथ भेज रही हूँ। कृपा करके मेरा नाम गोपनीय रखते हुए मामले में चौकशी करीये और मेरे द्वारा जिन जिन का नाम दिया गया है उनका रेकार्ड भी आप तपास करवा सकते हैं।

मेरी एक विनंती यह भी है कि मैने बहुत भरोसा करके जो 25000 रूपये उन्हें दिया था वो कृपया मुझे वापस दिलवाया जाये, मैने कैसे न कैस करके एक एक पैशे जोड के पैशे बचाये थे, न केवल मुझे बल्कि मेरे जैसे अनेक श्रद्धालू लोग जिन्होंने आंख मूंदकर उनको पैसा दिया ताकि उनकी समस्या दूर हो जाये, उनको भी उनका पैसा वापस दिलवाया जाये, हम लोगों की मेहनत से कमाये हुए पैसे पर ऐसे महाराज लोगों को ऐश करने का कोई अधिकार नहीं है।

मेरी विनंती है कि आप इसकी तपास करके सत्य को सामने लायेंगे।

टिपः सारे साक्ष्य संलग्न है

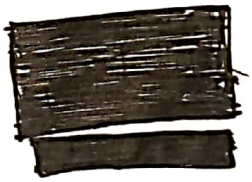

(महाराष्ट्र)

प्रतीलिपी-

1. श्री नरेंद्र मोदी पंत प्रधान भारत, नई दिल्ली
2. श्री अमीत शाह गृह मंत्री भारत नई दिल्ली
3. मुख्यमंत्री छत्तीसगड़, रायपूर
4. पोलिस कमिश्नर/महानिरीक्षक रायपूर

Scanned by CamScanner